



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 2—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 61] नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 7, 1978/माघ 18, 1899

No. 61] NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 7, 1978/MAGHA 18, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

प्रावेश

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1978

क्र० आ० 77(ख).—केन्द्रीय सरकार (उद्योग विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) से यथा वर्णित वस्तुओं के अनुसूचित उद्योगों में सम्पूर्णनः या अंशतः पटसन में विनिर्मित या उत्पादित उस साल के वर्गों को विनिर्दिष्ट करती हैं जिन पर, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दरों पर, 1 मार्च, 1978 से प्रारम्भ होने वाली एक वर्ष की अवधि के लिये उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ उपकर के रूप में उत्पाद शुल्क उद्ग्रहीत और संग्रहीत किया जायेगा।

सारणी

क्रम सं०	मालों के वर्गों का वर्णन	प्रति मीटरी टन उत्पाद-शुल्क की दर
(1) •	(2)	(3)
1.	गलीचा अस्तर	6.30 रु० (केवल छह रुपये तीस पैसे)
2.	बोरों, गलीचा स्तर और सूती बोरा वस्त्र से भिन्न हैसियत और पटसन के कपड़े	4.50 रु० (केवल चार रुपये पचास पैसे)
3.	बोरे, पटसन रज्जु और तन्तु	3.75 रु० (केवल तीन रुपये पचहत्तर पैसे)
4.	सूती बोरा कपड़ा	2.00 रु० (केवल दो रुपये)
5.	ऐसे विनिर्माण (उनसे भिन्न जो ऊपर की क्रम सं० 1 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं) जिनमें पटसन की मात्रा कुल भार का 50% या अधिक हो।	2.00 रु० (केवल दो रुपये)

[सं० फा० 21/2/78-जूट]

ए०न ए०स० वैद्यानाथन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 7th February, 1978

S.O. 77(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 9 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby specifies the classes of goods manufactured or produced wholly or in part of jute in the scheduled industry of textiles as mentioned in column (2) of the Table below on which a duty of excise shall be levied and collected as a case for the purposes of the said Act for a period of one year commencing on the 1st March, 1978 at such rates as are specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Description of classes of goods	Rate of duty of excise per tonne
1	2	3
1	Carpet backing	Rs. 6.30 (Rupees six and paise thirty only)
2.	Hessian and jute fabrics other than sacking, carpet backing and cotton bagging.	Rs. 4.50 (Rupees four and paise fifty only)
3.	Sacking, jute twines and yarns	Rs. 3.75 (Rupees three and paise seventy five only)
4	Cotton bagging	Rs. 2.00 (Rupees two only)
5.	The manufactures (other than those specified at serial numbers 1 to 4 above) containing 50 percent or more of jute by weight.	Rs. 2.00 (Rupees two only)

[No. F. 21/2/78-Jute]

N. S. VAIDYANATHAN, Joint Secy.

